हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

[बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर]

" सपनों को हकीकत में बदलने का आखरी मौका, सिर्फ़ 8 दिन और "

Invest In Steel City

Devki Vatika

आवासीय प्लॉट्स

मोस्ट डेवलपिंग एरिया मारकेल नगरनार रोड, जगदलपुर

प्री लॉन्च ऑफर
1999/-
प्रति वर्ग फुट*

लॉन्च के बाद मूल्य
2500/-
प्रति वर्ग फुट*

AMENITIES

Community Hall · Yoga Room · Indoor Games · Kids Play Area · Commercial · Amphitheater · 24 Hrs. Security · CCTV · 24 Hrs. Water Supply · Open Gym · Temple



MEMBER OF CREDAI
Rera Registration Number
CGRERA-P-260518072600148
PCGRERA041018

इस त्यौहार
आप अपना
ऑफर
खुद डिसाइड करें



Devki Heights

2, 3 एवं 4 BHK लक्ज़री अपार्टमेंट
धरमपुरा, जगदलपुर

* Terms & Conditions Applied

Ready Possesion • Finance Available From All Bank Offer for Limited Period • Limited Units • Conditions Applied

Contact - 88890 12555, 88890 12666

BMS House, Motitalab Para
Jagdalpur, Bastar (C.G.) 494001

खबर संक्षेप

गायन प्रतियोगिता का ऑडिशन नवंबर में



कांकेर। विकासखंड नरहरपुर में मानस संस्कृति इकाई की बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्थानीय गायन प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से विकासखंड स्तरीय मानस संस्कृति गायन प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए 14 नवंबर को ऑडिशन टेस्ट होगा। प्रतियोगिता में 15 वर्ष से अधिक आयु के स्थानीय नागरिक भाग ले सकेंगे। इच्छुक प्रतिभागी 12 नवंबर तक ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। श्री तुलसी मानस प्रतिष्ठान जिला कांकेर ने डिजिटल मंच तैयार करने में सहयोग की सहमति दी है। बैठक में मानस संस्कृति इकाई के सदस्य उपस्थित रहे।

किसान भुगतान यात्रा को किसानों का समर्थन मिला



कोयलीबेड़ा। किसानों के बकाया 6066 करोड़ रुपये के भुगतान सहित 12 सूत्रीय मांगों को लेकर निकाली जा रही किसान भुगतान यात्रा 28 अक्टूबर को कांकेर पहुंची। यात्रा के समर्थन में कोयलीबेड़ा क्षेत्र से सर्व आदिवासी समाज के ब्लॉक अध्यक्ष सहदेव उसेंडी के नेतृत्व में सुखीराम उसेंडी, सनकु, अनिल आंचले, बिसनाथ दर्रो, हीरऊ, हीरालाल, शिवप्रसाद, दिनेश, चमारसिंह, जयलाल, राजकुमार, खेमराज, माखन और महेश सहित किसान शामिल हुए। किसानों ने बकाया भुगतान, धान का समर्थन मूल्य बढ़ाने और कृषि समस्याओं के समाधान की मांग का समर्थन किया।

होटल के पास से बाइक की चोरी, रिपोर्ट दर्ज



कांकेर। मदन चौक बांदे में होटल के पास खड़ी हीरो होंडा स्प्लेंडर बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित 36 वर्षीय कार्तिक मंडल ने पुलिस को बताया कि होटल में काम करने गया था। रात करीब 1 बजे घर जाने के लिए बाइक के पास गया तब बाइक गायब मिली। चोरी गई बाइक की कीमत 15 हजार रुपये बताई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जिलास्तरीय राज्योत्सव 02 नवम्बर को होगा

कांकेर। राज्य शासन द्वारा विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस राज्योत्सव के आयोजन का निर्णय लिया गया है। शासन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार जिला मुख्यालय कांकेर में 02 नवम्बर को राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। राज्योत्सव कार्यक्रम नरहरदेव शाउमावि के खेल मैदान में आयोजित की जाएगी। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने राज्योत्सव के सफल क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं।

कोण्डागांव में आज सजेगा जिला स्तरीय युवा उत्सव, युवाओं को मिलेगा प्रतिभा दिखाने का अवसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

बड़ेकनेरा रोड स्थित ऑडिटोरियम में सुबह 9 बजे से होगा आयोजन, लोक नृत्य लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे युवा



खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 30 अक्टूबर को बड़ेकनेरा रोड स्थित ऑडिटोरियम में किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा। युवा उत्सव में जिले के युवाओं को अपनी कला, संस्कृति, रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। आयोजन के अंतर्गत लोक नृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शुक्रवार, 30 अक्टूबर को बड़ेकनेरा रोड स्थित ऑडिटोरियम में सुबह 9 बजे से शुरू होगा। आयोजन में विभिन्न विधाओं के पंजीकृत प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। युवा उत्सव के अंतर्गत लोक नृत्य और लोकगीत जैसी पारंपरिक सांस्कृतिक विधाओं को शामिल किया गया है। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को अपनी सांस्कृतिक अभिरुचियों और कलात्मक क्षमताओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में चित्रकला, कविता लेखन और नुक्कड़ नाटक जैसी रचनात्मक विधाओं में भी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके माध्यम से प्रतिभागी अपनी कल्पनाशीलता, अभिव्यक्ति और रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन कर सकेंगे। युवा उत्सव में विकसित भारत चौलेंज ट्रैक और क्रिएटिव यूथ रील चौलेंज को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को अपनी सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। जिला स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की आयु सीमा 15 से 29 वर्ष निर्धारित की गई है। वहीं संगतकारों के लिए आयु सीमा 18 से 40 वर्ष रखी गई है। पंजीकृत प्रतिभागी निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर उपस्थित होकर संबंधित प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने जिले के छात्र–छात्राओं, युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों से जिला स्तरीय युवा उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

चिपरेल-सालेभाट सहित विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई

वनभूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ वन विभाग की कार्रवाई, 34 लोगों को भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल/ कोण्डागांव



केशकाल वन मंडल में वनभूमि पर अवैध अतिक्रमण, पेड़ों की कटाई और बेदखली के बाद दोबारा कब्जा करने वालों के खिलाफ वन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। विभाग ने चिपरेल और सालेभाट क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए वनभूमि पर दोबारा कब्जा करने के प्रयास के मामले में 34 व्यक्तियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत केंद्रीय जेल जगदलपुर भेज दिया है।

वन मंडलाधिकारी दिव्या गौतम के मार्गदर्शन और उपवनमंडलाधिकारी सुषमा जे. नेताम के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। दादरगढ़ उपपरिक्षेत्र के हरवेल कक्ष क्रमांक आर.एफ. 1112 में पूर्व में बेदखली की कार्रवाई हो चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद वहां दोबारा पेड़ों की कटाई और अतिक्रमण का प्रयास किया गया। इस मामले में वन अधिनियम के तहत कड़ा कदम उठाते हुए यह कार्रवाई की गई।

अन्य क्षेत्रों में भी अभियान जारी

केशकाल वन मंडल के विभिन्न परिक्षेत्रों में भी वनभूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने का अभियान तेजी से चल रहा है। इसमें बड़ेराजपुर परिक्षेत्र के गोविंदपुर (कक्ष क्र. आर.एफ. 1155) में 42 अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई जारी है। ग्राम आमाडीही के कक्ष क्रमांक 1314 में 24 अतिक्रमणकारियों को बेदखली के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। बड़े डोंगर परिक्षेत्र के ग्राम चनियागांव (कक्ष क्र. ओ-1406) में लगभग 4 हेक्टेयर वनभूमि को वन प्रबंधन समिति के सहयोग से अतिक्रमणमुक्त कराया गया। इसी तरह फरसगांव परिक्षेत्र के ग्राम सोडमा (कक्ष क्र. 1085) से 24 अतिक्रमणकारियों को हटाया गया।



वन विभाग और समितियों की संयुक्त भूमिका

इस पूरी कार्रवाई में केशकाल, दादरगढ़, मारी और बहीगांव के वन अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ-साथ सालेभाट और चिपरेल की वन प्रबंधन समितियों के पदाधिकारियों ने अहम सहयोग दिया। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन संपदा की सुरक्षा और अवैध कटाई रोकने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने वाला युवक गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

विधानसभा अंतर्गत विश्रामपुरी क्षेत्र में युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पूर्व में दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार हुआ था और न्यायालय से जमानत पर रिहा होने के बाद युवती को कथित रूप से मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। युवती ने 27 अक्टूबर को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मामले में पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी त्रिलोचन मरकाम 24 वर्ष पिता जयसिंह मरकाम निवासी ग्राम हात्मा स्कूलपारा पर आरोप है कि उसने करीब सात माह पहले मृतिका गनेश्वरी बैद्य से शादी करने का वादा कर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। बाद में आरोपी द्वारा शादी से इनकार करने पर युवती की रिपोर्ट के आधार पर 12 सितंबर को थाना विश्रामपुरी में बीएनएस की धारा 69 में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी।

विवेचना के दौरान पुलिस ने 13 सितंबर को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। न्यायालय से जेल वारंट जारी होने के बाद उसे जगदलपुर जेल भेज दिया गया था। पुलिस के अनुसार, न्यायालय से जमानत मिलने के बाद आरोपी कथित तौर पर युवती को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा था।

जमानत पर जेल से रिहा होने के बाद युवती को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप



युवती की मौत के बाद दर्ज हुआ नया मामला

पुलिस के मुताबिक, कथित मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर युवती ने 27 अक्टूबर को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसके बाद 28 अक्टूबर को मृतिका के परिजन की ओर से थाना विश्रामपुरी में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदन और प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 108 के तहत अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया।

लोकेशन के आधार पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा

घटना के बाद से आरोपी फरार था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोंडागांव पंकज चंद्रा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अरुण नेताम के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी उप निरीक्षक विनोद नेताम के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने लगातार तलाश करते हुए आरोपी की लोकेशन के आधार पर घेराबंदी की और उसे हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। इसके बाद 29 अक्टूबर को उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड के लिए माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

सुरक्षित बचपन अभियान में छात्र-छात्राओं को किया जागरूक



कोण्डागांव। बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सम्बलपुर में सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के विधिक सेवा जागरूकता अभियान के तहत आयोजित हुआ। शिविर में न्यायिक अधिकारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक–शिक्षिकाएं तथा छात्र–छात्राएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री प्रतिभा मरकाम, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश उपस्थित रहीं। साथ ही जेपी वर्मा, मंडल संयोजक, आदिम जाति कल्याण विभागय चंदन यादव, साइबर सेलय तथा गजेंद्र पटेल, महिला एवं बाल विकास विभाग, कोंडागांव ने सहभागिता की। विद्यालय के प्राचार्य दामोदर सिंह ध्रुव और राष्ट्रीय सेवा योजना रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी श्री मन्नाराम नेताम सहित विद्यालयीन स्टाफ एवं विद्यार्थी कार्यक्रम में मौजूद थे। सुरक्षित बचपन अभियान का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने, उनके अधिकारों की जानकारी देने तथा किसी भी प्रकार के शोषण, उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में उचित सहायता प्राप्त करने के प्रति जागरूक करना है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों को अपने अधिकारों को समझने और जरूरत पड़ने पर सही मंच तक अपनी बात पहुंचाने में सहायता करते हैं।

तेज हवा से गौरगांव में घर पर गिरा पेड़

आवागमन प्रभावित, बदले मौसम से ग्रामीणों की बढ़ी चिंता

केशकाल। चक्रवात के प्रभाव से क्षेत्र में मौसम का मिजाज लगातार बदला हुआ है। बारिश और तेज हवाओं के बीच अब पेड़ गिरने की घटनाएं भी सामने आने लगी हैं। केशकाल से सटे ग्राम गौरगांव में तेज हवा के चलते एक पेड़ धराशायी होकर ग्रामीण के घर पर गिर गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आवागमन भी प्रभावित हुआ है। मौसम के इस बदले स्वरूप ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है।

घर पर गिरा पेड़, आवागमन में हुई परेशानी: प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम गौरगांव में चक्रवात के असर के बीच एक पेड़ गिरकर ग्रामीण के घर पर जा गिरा। पेड़ के गिरने से मकान को नुकसान पहुंचने की आशंका है। वहीं, पेड़ गिरने के कारण आसपास के रास्ते पर आवागमन प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की आधिकारिक जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। मौसम में आए बदलाव के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में पेड़ों के धराशायी होने और अन्य प्राकृतिक घटनाओं की आशंका बनी हुई है। तेज हवाओं के दौरान पुराने, सूखे और कमजोर पेड़ों के आसपास खड़े रहना जोखिम भरा हो सकता है। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। विशेषकर बिजली के खंभों, पेड़ों और कमजोर मकानों से दूरी बनाए रखना जरूरी है।



प्रशासन से राहत और रास्ता बहाल करने की अपेक्षा

गौरगांव में घर पर पेड़ गिरने की घटना के बाद प्रभावित परिवार को राहत पहुंचाने तथा गिरे हुए पेड़ को हटाकर आवागमन सामान्य करने की आवश्यकता है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि संबंधित विभाग मौके का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करेंगे, ताकि प्रभावित परिवार को राहत मिल सके और लोगों की आवाजाही सुचारु हो सके। चक्रवात के प्रभाव को देखते हुए लोगों को मौसम संबंधी चेतावनियों पर ध्यान देने और अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी जाती है। किसी भी आपात स्थिति में संबंधित प्रशासनिक विभाग को सूचना देकर समय पर सहायता लेना जरूरी है।

अब तक 400 कृषि सखियां प्रशिक्षित

कृषि सखियों का तीन दिवसीय जिला स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण



कोण्डागांव। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत जिले की कृषि सखियों की क्षमता संवर्धन के लिए जिला स्तरीय तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिले में कुल 576 कृषि सखियों में से 400 कृषि सखियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जबकि शेष कृषि सखियों का प्रशिक्षण जारी है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषि सखियों को कृषि संबंधी तकनीकी जानकारी एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है, ताकि वे गांवों में किसानों को मार्गदर्शन देने के साथ अपनी आजीविका के अवसरों को भी बढ़ा सकें। प्रशिक्षण के दौरान राज्य स्तर पर प्रशिक्षित कृषि सखी मास्टर ट्रेनरों द्वारा विभिन्न कृषि विषयों पर जानकारी दी जा रही है। इसमें सब्जी की खेती की उन्नत तकनीक, धान की फसल में लगने वाले रोगों एवं कीटों की पहचान, कीटों के प्रकार, कीट प्रबंधन, मक्का की खेती तथा धान की प्रमुख बीमारियों की पहचान एवं उनके प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं।



केशकाल घाट में खराब ट्रक के पीछे फंसा कंटेनर

वाहनों की लगी लंबी कतार, आवागमन प्रभावित



केशकाल। राष्ट्रीय राजमार्ग- स्थित केशकाल घाट में एक खराब ट्रक के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति सामने आई है। ट्रक के रास्ते में खराब होकर खड़े हो जाने के कारण उसके पीछे चल रहा कंटेनर फंस गया, जिसके चलते घाट से गुजरने वाले वाहनों की लंबी कतार लग गई। इससे वाहन चालकों और यात्रियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

केशकाल घाट अपनी घुमावदार सड़क और ढलान के कारण पहले से ही भारी वाहनों के लिए चुनौतीपूर्ण माना जाता है। ऐसे में घाट के बीच किसी भारी वाहन के खराब हो जाने से यातायात पर इसका सीधा असर पड़ता है। एक वाहन के रास्ते में रुकने से पीछे चल रहे अन्य वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित होने लगती है। इस घटना में खराब ट्रक के पीछे कंटेनर फंसने से सड़क पर वाहनों की कतार लग गई और आवागमन बाधित हुआ।

प्रारूप-(तीन)

:: शपथ-पत्र ::

मैं सुनील पिता तिजुराम (SUNIL S/O TIJURAM) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) उम्र 25 वर्ष, जाति गोंड, निवासी ग्राम कोडोली पोस्ट व तहसील कोहकामेटा जिला नारायणपुर (छ.ग.) एतद्द्वारा पूर्णतः पुष्टि करती हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करती हूँ :-

1. मैं ग्राम कोडोली पोस्ट व तहसील कोहकामेटा जिला नारायणपुर (छ.ग.) की स्थायी निवासी हूँ।
2. मेरा पुराना नाम सुनील पिता तिजुराम (SUNIL S/O TIJURAM) है और मैं अपना नाम बदलकर मेरा नाम उपनाम सहित सुनील कुमार कोर्राम पिता तिजू राम (SUNIL KUMAR KORRAM S/O TIJU RAM) (नया नाम) करवाना चाहती हूँ। जो मेरे जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है।
3. मेरे पुराने नाम एवं जन्मतिथि से किसी भी न्यायालय में कोई प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।
4. मैं नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करती हूँ तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगी।
5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूं।

सत्यापन

मैं शपथकर्ता सुनील कुमार कोर्राम पिता तिजू राम सत्यापित करती हूँ कि उपरोक्त शपथ पत्र की कंडिका 01 से 05 तक की समस्त जानकारी मेरे स्वयं के ज्ञान से सत्य एवं सही है। आज दिनांक 28/10/2026 को स्थान नारायणपुर में अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित की है।

शपथकर्ता

सत्यापनकर्ता

प्रारूप-(तीन)

:: शपथ-पत्र ::

मैं गागरूराम कचलाम पिता दसुराम कचलाम (GAAGRURAM KACHLAM S/O DASURAM KACHLAM) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) उम्र 37 वर्ष, जाति गोंड, निवासी ग्राम चमेली पोस्ट व तहसील छोटेडोंगर जिला नारायणपुर (छ.ग.) एतद्द्वारा पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ :-

1. मैं ग्राम चमेली पोस्ट व तहसील छोटेडोंगर जिला नारायणपुर (छ.ग.) की स्थायी निवासी हूँ।
2. मेरा पुराना नाम गागरूराम कचलाम पिता दसुराम कचलाम (GAAGRURAM KACHLAM S/O DASURAM KACHLAM) है और मैं अपना नाम बदलकर गागरू राम पिता दशु राम (GAGARU RAM S/O DASHU RAM) (नया नाम) करवाना चाहता हूँ।
3. मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।
4. मैं नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करती हूँ तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगी।
5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहावास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ।

सत्यापन

मैं शपथकर्ता गागरू राम पिता दशु राम सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त शपथ पत्र की कंडिका 01 से 05 तक की समस्त जानकारी मेरे स्वयं के ज्ञान से सत्य एवं सही है। आज दिनांक 29/10/2026 को स्थान नारायणपुर में अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

शपथकर्ता

सत्यापनकर्ता



हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

[बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर]



खबर संक्षेप



शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

फरसगांव। नाबालिग को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में फरसगांव पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 20 वर्षीय आरोपी दशराज यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को 29 अक्टूबर को न्यायालय में पेश किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने एक नवजात बच्ची को जन्म दिया है। शिकायत में बताया गया कि आरोपी ने नाबालिग को शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी की संलिप्तता पाए जाने पर उसे गिरफ्तार किया और उसके विरुद्ध बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी अभिनव उपाध्याय के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी आलोक साहू के नेतृत्व में की गई।

गौ सेवा आयोग सदस्य ने विधायक और पुलिस का जताया आभार

27 गायों की बची जान, 9 क्विंटल मांस बरामद, कोटपाड़ में 10 तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

गौवंश संरक्षण के लिए बस्तर जिले के गौ सेवकों द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बीच ओडिशा के कोटपाड़ में बड़ी कार्रवाई हुई है। इस कार्रवाई में 27 गायों को कत्लखाने से बचाया गया, वहीं मौके पर 10 तस्करों से लगभग 9 क्विंटल गौमांस भी बरामद किया गया। बचाई गई गायों को सुरक्षित रखने एवं उनकी देखभाल सुनिश्चित करने की दिशा में भी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। गौरतलब है कि बस्तर जिले के गौ सेवकों ने ओडिशा के विधायक रूपु भतरा से मुलाकात कर गौवंश की सुरक्षा एवं संरक्षण का विषय प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद हुए प्रयासों के क्रम में कोटपाड़ में यह कार्रवाई हुई।

पुलिस कार्रवाई के बाद क़त्लखाने से बचाई गई 27 गायों में से 19 गायों को बस्तर जिले के कुरंदी स्थित हैप्पी कामधेनु गौशाला को सुपुर्द किया गया, जबकि 8 गायों को कोटपाड़ के स्थानीय गौपालकों को सौंप दिया गया। गौ सेवकों के अनुसार, इस मामले का एक गंभीर पहलू गौमांस के कारोबार का संभावित विस्तार छत्तीसगढ़ के जगदलपुर तक होना है। उनका कहना है कि पूर्व में पकड़े गए एक गौमांस तस्करी के आरोपी ने कथित तौर पर कोटपाड़ क्षेत्र से गौमांस का परिवहन कर उसका विक्रय करने की बात स्वीकार की थी।



2 राज्यों के गौ सेवकों ने दिखाई भक्ति

बस्तर और ओडिशा के गौ सेवक आपसी समन्वय के साथ गौवंश की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। गौ सेवा आयोग के सदस्य दीपक पनपलिया ने कोटपाड़ में गौवंश को बचाने तथा गौमांस बरामदगी की बड़ी कार्रवाई के लिए ओडिशा के विधायक रूपु भतरा एवं पुलिस विभाग के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि मामले की गहन जांच कर गौवंश वध एवं गौमांस के अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



भाजपा सरकार बनने के बाद ओड़िसा में दिखी सक्रियता

गौ सेवक मुन्ना बजरंगी ने कहा कि 27 गायों को कत्लखाने से बचाया जाना राहत की बात है, लेकिन मौके से लगभग 9 क्विंटल गौमांस की बरामदगी इस मामले की गंभीरता को दर्शाती है। गौवंश की सुरक्षा के लिए इस पूरे मामले से जुड़े लोगों,परिवहन के रास्तों और मांस की बिक्री के संभावित ठिकानों की भी जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। गौ सेवक रोहन घोष ने कहा कि ओडिसा में भाजपा की सरकार बनने के बाद कोटपाड़ में 27 गायों को बचाया जाना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियों को मामले की तह तक जाकर यह पता लगाना चाहिए कि गौमांस का स्रोत क्या था, उसका परिवहन किन रास्तों से किया जा रहा था। यदि जांच में किसी की संलिप्तता सामने आती है,तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।





खबर संक्षेप



राशन के लिए ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि आज

जगदलपुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों के लिए ई-केवाईसी को लेकर महत्वपूर्ण सूचना आई है। जानकारी के अनुसार, राशन कार्ड में दर्ज सभी सदस्यों का ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित है। ऐसे में जिन राशन कार्ड धारकों के परिवार के सदस्यों का सत्यापन अभी तक पूरा नहीं हुआ है, उन्हें नजदीकी शासकीय उचित मूल्य की दुकान पहुंचकर प्रक्रिया पूरी करानी चाहिए। ई-केवाईसी का उद्देश्य राशन कार्ड में दर्ज सदस्यों की पहचान का सत्यापन करना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के रिकॉर्ड को अद्यतन रखना है। इसके लिए राशन दुकान में उपलब्ध ई-पॉस मशीन के माध्यम से बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाता है। राशन कार्ड में शामिल प्रत्येक सदस्य का सत्यापन पूरा होना जरूरी है, इसलिए परिवार के सदस्यों को अपने कार्ड की ई-केवाईसी स्थिति की जानकारी लेनी चाहिए। समय सीमा नजदीक आने के कारण राशन कार्ड धारकों को अपनी ई-केवाईसी की स्थिति जांचने की जरूरत है। यदि किसी सदस्य का सत्यापन लंबित है, तो उसे समय रहते पूरा कराने के लिए राशन दुकान संचालक से संपर्क करना चाहिए।

डीसीएस सर्वे में गड़बड़ी किसान परेशान



गीदम। जिला दंतेवाड़ा के गीदम ब्लॉक अंतर्गत बारसूर तहसील के ग्राम मुचनार में डिजिटल क्रॉप सर्वे में गड़बड़ी की शिकायत सामने आई है। सर्वेयर की लापरवाही का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है और किसान त्रुटिपूर्ण गिरदावरी रिपोर्ट में सुधार के लिए तहसील के चक्कर काट रहे हैं। इस खरीफ सीजन से शासन की ओर से ई-गिरदावरी की नई व्यवस्था लागू की गई है। तहसील कार्यालय द्वारा मुचनार में 4 सर्वेयरों को डिजिटल क्रॉप सर्वे की जिम्मेदारी दी गई थी। किसानों का आरोप है कि मुचनार रेंजर पारा के सर्वेयर शंकर इस्तामी ने ईमानदारी से काम नहीं किया। फील्ड का दौरा किए बिना ही फर्जी रिपोर्ट तैयार कर दी गई, नियमानुसार सर्वे की सूचना किसान को नहीं दी गई और संबंधित किसान से चर्चा तक नहीं की गई। मुचनार रेंजर पारा निवासी सुमन ठाकुर के खसरा नंबर 263, कुल रकबा 1.36 हेक्टेयर में लगभग 2 एकड़ में मूंग और उड़द की फसल लगी है। कृषि विभाग में

वाहन चोर गिरफ्तार, 1.31 लाख का मशरूका बरामद

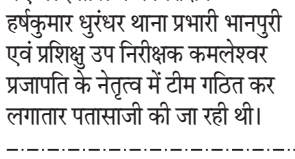

जगदलपुर। जिला बस्तर में चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत भानपुरी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 मोटर सायकिल सहित कुल 1 लाख 31 हजार 505 रुपए का मशरूका बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम सागर कश्यप पिता स्व. शंकर कश्यप 18 वर्ष 5 माह, जाति गोंड निवासी करन्दोला छेपड़ापारा थाना भानपुरी जिला बस्तर है। आरोपी के विरुद्ध थाना भानपुरी में धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर के निर्देशन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी भानपुरी संगम राम के पर्यवेक्षण में चोरी पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में निरीक्षक हर्षकुमार धुरंधर थाना प्रभारी भानपुरी एवं प्रशिक्षु उप निरीक्षक कमलेश्वर प्रजापति के नेतृत्व में टीम गठित कर लगातार पतासाजी की जा रही थी।

बस्तर में छाया घना कोहरा, जरा सी चूक पड़ सकती है भारी, परिवहन विभाग ने जारी की एडवाइजरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

घने कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता कम होने से सड़क हादसों का खतरा बढ़ जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में कोहरे के चलते हुए कई भीषण सड़क हादसों में लोगों की जान जा चुकी है। कम दृश्यता के कारण कई वाहन आपस में टकरा रहे हैं, जिससे वाहनों में सवार लोग हताहत हो रहे हैं।

ऐसे हादसों की आशंका को देखते हुए परिवहन विभाग मुख्यालय ने कोहरे के दौरान सुरक्षित वाहन संचालन के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत वाहन चालकों को विशेष सत+कता बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई है। आरटीओ डीसी बंजारे एवं उड़नदस्ता प्रभारी निरीक्षक जस्टिन मिंज ने वाहनों की जांच के दौरान राज्य के समस्त यात्री बस संचालकों और कमर्शियल वाहन चालकों को एडवाइजरी की जानकारी देते हुए सुरक्षित वाहन संचालन की अपील की। उन्होंने कहा कि घने कोहरे में वाहन चलाना बेहद खतरनाक हो सकता है। ऐसे मौसम में चालक को अपनी गति नियंत्रित रखनी चाहिए और सामने चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी बनाए रखनी चाहिए। जरा सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

वाहन चालकों को लो बीम पर हेडलाइट रखने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह

पार्किंग लाइट का उपयोग करें

परिवहन विभाग की एडवाइजरी में कहा गया है कि कोहरे के दौरान वाहन की हेडलाइट हमेशा लो बीम मोड पर रखें। हाई बीम का इस्तेमाल करने से कोहरे में रोशनी वापस आंखों की ओर परावर्तित होती है, जिससे सड़क और भी कम दिखाई देती है। वाहन में फॉग लैंप लगे हैं तो उन्हें भी चालू रखें। इसके साथ ही पार्किंग लाइट का उपयोग करें, ताकि दूसरे वाहन चालकों को आपके वाहन की मौजूदगी का पता चल सके।

अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत

एडवाइजरी में विंडस्क्रीन पर धुंध जमने से बचाने के लिए डिफॉगर और विंडस्क्रीन वाइपर का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। वाहन चालकों को अनुशासन का पालन करते हुए ओवरटेक करने से बचने और अचानक ब्रेक लगाने से परहेज करने को कहा गया है। विशेष रूप से यात्री बसों और भारी व्यावसायिक वाहनों के चालकों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत बताई गई है।

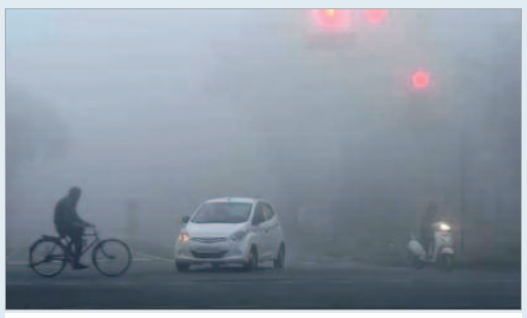

ओवरटेक से बचने की अपील

अपनी व दूसरों की जिंदगी खतरे में न डालें

संयुक्त कलेक्टर एवं क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री बंजारे ने बताया कि ने कहा कि यदि कोहरा इतना घना हो कि आगे का रास्ता दिखाई देना मुश्किल हो जाए और वाहन चलाना सुरक्षित न रहे, तो चालक को जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। ऐसी स्थिति में वाहन को सड़क से पूरी तरह सुरक्षित किनारे पर रोककर इंडिकेटर लाइट चालू रखनी चाहिए।

नगरनार से चित्रकोट तक बाढ़ पीड़ित किसानों को एकजुट करने की कवायद

किसान 6 नवंबर को करेंगे कलेक्टर कार्यालय का घेराव, बड़ांजी में बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

इंद्रावती नदी में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने और कृषि ऋण माफी की मांग को लेकर 6 नवंबर को कलेक्टर कार्यालय घेराव किया जाएगा। लोहंडीगुड़ा जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत बड़ांजी, टाकरागुड़ा, छिंदगांव, कुम्हली और चित्रकोट में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के नेतृत्व में किसानों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में किसानों को आंदोलन से जोड़ने और घेराव में भाग लेने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में जनपद पंचायत सदस्य हिड़मो मंडावी ने कहा कि किसानों के अधिकारों की लड़ाई सभी को एकजुट होकर लड़नी होगी। बाढ़ से प्रभावित किसानों की समस्याओं को सरकार और प्रशासन तक मजबूती से पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। उन्होंने किसानों से एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में आगे आने की अपील की। इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष पूरन सिंह कश्यप ने कहा कि इंद्रावती नदी में आई बाढ़ से किसानों की धान सहित अन्य फसलें प्रभावित हुई हैं। इससे किसान परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने और कृषि ऋण माफ कराने के लिए सभी किसानों को मिलकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में जनप्रतिनिधियों को भी साथ लेकर चलना चाहिए, ताकि किसानों की मांगों को उचित मंच पर उठाया जा सके। भारतीय किसान यूनियन के जगदु राम कश्यप ने कहा कि नगरनार से लेकर चित्रकोट तक के किसानों को एकजुट कर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 6 नवंबर के आंदोलन में किसान ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों के माध्यम से जगदलपुर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि जब तक किसानों की मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक शांतिपूर्ण तरीके से धरना जारी रखने और जरूरत पड़ने पर मौके पर भोजन बनाकर आंदोलन चलाने की तैयारी की जाएगी।



किसानों के हक की लड़ाई

ग्राम पंचायत बड़ांजी के सरपंच महेंद्र भारद्वाज ने भी किसानों की एकता पर जोर देते हुए कहा कि सभी किसान एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे। मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रखने के लिए किसानों को संगठित रहना होगा। बैठक में किसानों से अपील की गई कि वे 6 नवंबर को सुबह 11 बजे जगदलपुर में प्रस्तावित कलेक्टर कार्यालय घेराव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों। आंदोलन के माध्यम से बाढ़ से हुई फसल क्षति का उचित मुआवजा, कृषि ऋण माफी और प्रभावित किसान परिवारों को राहत देने की मांग उठाई जाएगी। इस दौरान अनिल बघेल, राजकुमार भारद्वाज, पंकज पाणिग्रही, बद्रीनाथ ठाकुर, लक्ष्मण बघेल, अनिल कुमार सिंह, बबलू बघेल, खगेश्वर मौर्य,रुबेन्द्र, यशोदा सहित अन्य किसान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति की दी जानकारी

गुण्डाधूर महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों से परिचित कराने के उद्देश्य से दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनरों ने विद्यार्थियों को भारतीय शिक्षा नीतियों के ऐतिहासिक विकास, क्रेडिट सिस्टम, बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास और मल्टीपल एंट्री–मल्टीपल एग्जिट जैसी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरला आत्रम ने की। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष विकास दुआ विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आकाश वासनीकर ने किया, जबकि स्वागत उद्बोधन संयोजक डॉ. पुरोहित कुमार सोरी ने दिया।

- 0 एनईपी–2020 के क्रेडिट सिस्टम, कौशल विकास और मल्टीपल एंट्री–मल्टीपल एग्जिट प्रावधानों पर हुआ मार्गदर्शन
- प्राचार्य डॉ. सरला आत्रम ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन और अनुशासन के लिए किया प्रेरित

प्राचार्य डॉ. सरला आत्रम ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, कौशल आधारित और बहुविषयक शिक्षा प्रदान कर उनका सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष विकास दुआ ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मनिर्भरता और रोजगारोन्मुखी दक्षताओं को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ–साथ व्यावहारिक कौशल विकसित करने पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। मास्टर ट्रेनर शशिभूषण कन्नौजे ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था के ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968, 1986 तथा वर्ष 1992 में किए गए संशोधनों की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पृष्ठभूमि समझाई। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति शिक्षा व्यवस्था को अधिक समावेशी, लचीला और व्यावहारिक बनाने पर जोर देती है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, समस्या समाधान और विभिन्न परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना भी है। मास्टर ट्रेनर नसीर अहमद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न प्रावधानों को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने बताया कि जेनेरिक इलेक्टिव के अंतर्गत विद्यार्थी अपने मुख्य विषय के अतिरिक्त अन्य विषयों का अध्ययन कर सकते हैं।





बस्तर दशहरा संपन्न होते ही दंतेवाड़ा लौटीं मां मावली की डोली और मां दंतेश्वरी का छत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व के 75 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठानों के विधिवत समापन के बाद मां मावली माता की पावन डोली और मां दंतेश्वरी का छत्र जगदलपुर से दंतेवाड़ा वापस पहुंच गया है। जगदलपुर के राजमहल परिसर में परंपरागत पूजा-अर्चना और विधि-विधान के साथ भावभीनी विदाई दिए जाने के बाद दोनों पवित्र निशानियों ने दंतेवाड़ा के लिए प्रस्थान किया। उनके वापस पहुंचने पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिला। बस्तर दशहरा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि बस्तर की समृद्ध आदिम संस्कृति, परंपरा और देवी आस्था का जीवंत प्रतीक है। इस पर्व में मां मावली माता की डोली और मां दंतेश्वरी के छत्र का विशेष धार्मिक महत्व है। दंतेवाड़ा स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर से जुड़ी इन पवित्र निशानियों की बस्तर दशहरा में उपस्थिति को श्रद्धालु विशेष सौभाग्य और आस्था का विषय मानते हैं। दशहरा के दौरान विभिन्न पारंपरिक रस्मों और धार्मिक अनुष्ठानों में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। बस्तर दशहरा के अंतिम चरण में माता मावली की डोली और मां दंतेश्वरी के छत्र की विदाई की परंपरा निभाई गई। जगदलपुर में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ इन्हें दंतेवाड़ा के लिए रवाना किया गया। वापसी के साथ ही बस्तर दशहरा के धार्मिक आयोजनों का एक महत्वपूर्ण अध्याय पूर्ण हो गया।

दंतेवाड़ा पहुंचने के बाद मां मावली माता की डोली और मां दंतेश्वरी के छत्र की वापसी को श्रद्धालुओं ने आस्था और परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण अवसर माना। यह परंपरा बस्तर के विभिन्न क्षेत्रों के बीच धार्मिक और सांस्कृतिक जुड़ाव को भी दर्शाती है।

- जगदलपुर में विधि-विधान से हुई विदाई, परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ दंतेवाड़ा पहुंचीं आराध्य देवियों की पवित्र निशानियां



दिनभर बारिश से सड़कों पर पसरा सन्नाटा, दुकानों में ग्राहकों का इंतजार करते रहे व्यापारी

साप्ताहिक अवकाश और चक्रवात की दहशत से चौपट हुआ कोंडागांव का बाजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

साप्ताहिक अवकाश और चक्रवात के प्रभाव से बिगड़े मौसम ने कोंडागांव के बाजार की रौनक फीकी कर दी। मंगलवार को साप्ताहिक अवकाश के चलते अधिकांश दुकानों के शटर बंद रहे, वहीं अगले दिन दिनभर होती बारिश ने बाजार की गतिविधियों को प्रभावित किया। आमतौर पर ग्राहकों की आवाजाही से गुलजार रहने वाली सड़कें सूनी नजर आईं और दुकानदार ग्राहकों के इंतजार में बैठे रहे।

पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती सिस्टम के प्रभाव से मौसम खराब होने और दिनभर बारिश होने के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से बचते नजर आए। बारिश के चलते बाजार में सामान्य दिनों जैसी चहल–पहल नहीं रही। खरीदारी के लिए आने वाले ग्राहकों की संख्या कम होने से व्यापारियों का कारोबार भी प्रभावित हुआ। शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल पुराना बस स्टैंड, गांधी चौक और अन्य भीड़भाड़ वाले बाजार स्थलों पर भी सन्नाटा देखने को मिला। आम दिनों में इन क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही और वाहनों की आवाज से रौनक बनी रहती है, लेकिन खराब मौसम के चलते सड़कें अपेक्षाकृत खाली नजर आईं। दुकानों के बाहर ग्राहकों की आवाजाही कम रही और कई व्यापारियों को दिनभर ग्राहकों का इंतजार करना पड़ा। बाजार की सामान्य गतिविधियां प्रभावित होने से शहर के व्यापारिक माहौल में भी सुस्ती दिखाई दी। साप्ताहिक अवकाश के बाद व्यापारी अगले दिन बेहतर कारोबार की उम्मीद करते हैं, लेकिन लगातार बारिश ने उनकी उम्मीदों को झटका दिया। ख

दरा दुकानों सहित विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में ग्राहकों की कमी महसूस की गई। मौसम खराब रहने के कारण खरीदारी के लिए निकलने वाले लोगों की संख्या घटने से बाजार में कारोबार सामान्य दिनों की तुलना में कमजोर रहा। व्यापारियों और स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि मौसम साफ होने के बाद बाजार में फिर से रौनक लौटेगी। फिलहाल साप्ताहिक अवकाश के बाद चक्रवात के प्रभाव से हुई बारिश ने बाजार की गति धीमी कर दी है। दिनभर सूनी सड़कों और खाली दुकानों का नजारा शहर में मौसम के असर को साफ तौर पर बयां करता रहा।

- 0 पुराना बस स्टैंड, गांधी चौक और भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्र में भी कम रही चहल–पहल

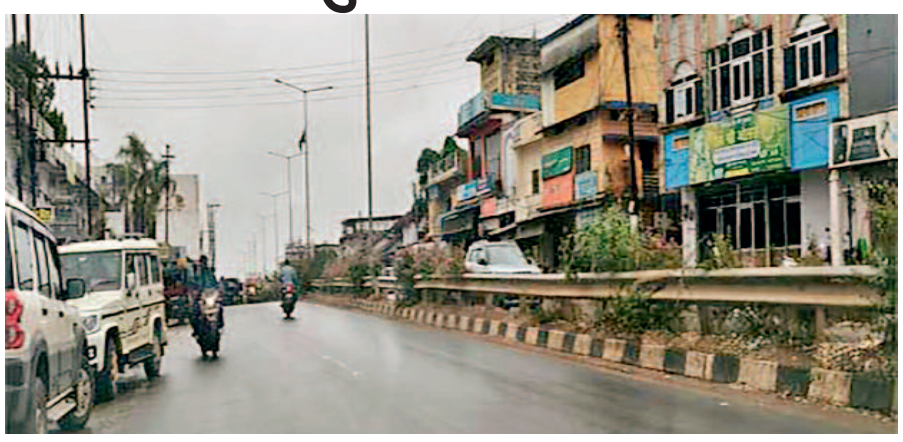

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शुरू

गोंडी-हल्बी में सीखेंगे नौनिहाल, कलेक्टर ने किया पुस्तकों का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

जिले के नौनिहाल अब स्थानीय बोली गोंडी और हल्बी में कहानियों, गीतों और कविताओं के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करेंगे। बच्चों को उनकी मातृभाषा और स्थानीय परिवेश से जोड़कर शिक्षा देने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग ने मोबाइल क्रैचेज के सहयोग से विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया है। गुरुवार को कलेक्टर अमित कुमार ने जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठाकुर की उपस्थिति में डीपीआरसी भवन में पाठ्यक्रम की पहली और दूसरी इकाई की पुस्तकों का विमोचन किया।

खेल-खेल में सीखने पर रहेगा जोर: जिले में तीन से छह वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए छह दिवसीय विशेष आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 26 अक्टूबर से शुरू हुआ यह प्रशिक्षण 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें दोरनापाल, कोंटा सहित विभिन्न परियोजनाओं की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नए पाठ्यक्रम की तीसरी और चौथी इकाई का सघन प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पाठ्यक्रम की खास बात यह है कि इसे स्थानीय भाषा, संस्कृति और परिवेश को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें गोंडी और हल्बी जैसी स्थानीय बोलियों में कहानियों, गीतों और कविताओं को शामिल किया गया है। इसके माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों को खेल-खेल में सीखने के अवसर उपलब्ध करा सकेंगी। अपनी परिचित भाषा में पढ़ाई से बच्चों को विषयों को समझने, अपनी बात कहने और सीखने की गतिविधियों में भाग लेने में सहजता मिलेगी।





छह इकाइयों में तैयार किया गया पाठ्यक्रम

मोबाइल क्रैचेज, दिल्ली की ईसीडी विशेषज्ञ टीम ने इस विशेष पाठ्यक्रम को कुल छह इकाइयों में विभाजित किया है। इसका उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना है। पाठ्यक्रम के जरिए बच्चों की उम्र और सीखने की क्षमता के अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियों को अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। पुस्तकों के विमोचन के अवसर पर कलेक्टर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े अधिकारियों और विशेषज्ञों की उपस्थिति में स्थानीय परिवेश के अनुरूप तैयार सामग्री की जानकारी ली। प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को पाठ्यक्रम की गतिविधियों को व्यवहार में लागू करने तथा बच्चों तक सहज और रुचिकर तरीके से पहुंचाने की प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है।

तहसीन रज़ा का राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए चयन

कोण्डागांव। गुण्डाधूर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव के प्रतिभाशाली बैडमिंटन खिलाड़ी मोहम्मद तहसीन रज़ा ने अपनी खेल प्रतिभा और मेहनत के दम पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जगह बनाई है। उनका चयन राज्य स्तरीय बैडमिंटन पुरुष प्रतियोगिता के लिए हुआ है। वे प्रतियोगिता में कांकेर सेक्टर की पुरुष बैडमिंटन टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। तहसीन रज़ा का चयन 27 एवं 28 अक्टूबर को स्वामी आत्मानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नारायणपुर में आयोजित सेक्टर स्तरीय बैडमिंटन पुरुष प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त करने के आधार पर हुआ। इस प्रतियोगिता में कांकेर सेक्टर के विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। बेहतर प्रदर्शन के चलते तहसीन ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह सुनिश्चित की। राज्य स्तरीय बैडमिंटन पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन 13 एवं 14 नवंबर को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सूरजपुर में किया जाएगा। इसमें छत्तीसगढ़ के 12 सेक्टरों की टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता से पहले चयनित खिलाड़ियों की तैयारी के लिए 11 एवं 12 नवंबर को स्वामी आत्मानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नारायणपुर में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा।



खबर संक्षेप

10 आपदा पीड़ितों को 40 लाख की सहायता स्वीकृत

जगदलपुर। कलेक्टर बस्तर आकाश छिकारा ने प्राकृतिक आपदा से मृत 10 लोगों के परिवारों के लिए 40 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। सभी प्रभावित परिवारों को चार-चार लाख रुपए दिए जाएंगे। यह राशि तहसीलदारों के माध्यम से सीधे बैंक खातों में डीबीटी द्वारा ट्रांसफर की जाएगी। सहायता पाने वालों में तालाब और कुएं में डूबने से मृत पदमनी के पिता भास्कर, मनबोध की पत्नी सनमती, तीरनाथ की पत्नी हेमबती, धनर कश्यप की पत्नी दिलेश्वरी, चंदन के पिता रामचंद और लखूराम की पत्नी सिलदई शामिल हैं। वहीं आकाशीय बिजली से मृत लालती के पिता शत्रुघन तथा सर्पदंश से मृत भगवती के पिता तुलाराम, सोनमती के पति गणेश और सविता के पिता कलानाथ को राहत राशि मिलेगी।

नवाचारी शिक्षक कंचन हुई सम्मानित



जगदलपुर। शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले बस्तर के छह शिक्षकों को समाज दीप रत्न सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। शिक्षक कला प्रतिभा अकादमी छत्तीसगढ़ समग्र विकास मंच की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में अतिथियों ने शिक्षकों को सम्मान प्रदान किया। सम्मानित होने वाली कुरंदी करेंगा शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय की कंचन विश्वकर्मा शामिल रही। इनमें शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, प्रकृति संरक्षण,विज्ञान के प्रचार-प्रसार, स्वच्छता, स्वास्थ्य, कला संस्कृति, समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण, अंधविश्वास उन्मूलन, जनजागरुकता, कबाड़ से जुगाड़, व्यक्तिगत्व विकास, सामाजिक परिवर्तन के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रतिभागी शामिल रही। सृजनात्मक, नेतृत्व क्षमता, सीखने में रुचि, सामाजिक चेतना को बढ़ावा मिल रहा है।

डाक अदालत 4 नवम्बर को

जगदलपुर। संभागीय स्तर पर डाक अदालत का आयोजन 4 नवम्बर को प्रातः 11 बजे किया गया है । डाक सेवाओं से संबंधित शिकायतें जैसे डाक वस्तुओं का वितरण, काउंटर सेवाएं, लघुबचत योजनाएं आरडी,बचत बैंक ,बचत पत्र रजिस्ट्री, मनीआर्डर, व्हिपी पार्सल,एक्सप्रेस पार्सल, स्पीड पोस्ट, डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा से संबंधित शिकायतों का समाधान किया जायेगा । डाक ग्राहकों से अनुरोध है कि वे अपनी शिकायतें अधीक्षक डाकघर को 2 नवम्बर प्रस्तुत कर सकते हैं ।

जनजातीय चित्रकला प्रतियोगिता 14 से

जगदलपुर। आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान नवा रायपुर द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय राज्य स्तरीय जनजातीय चित्रकला प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आगामी 14 और 15 नवम्बर को संस्थान के सेक्टर-24 स्थित परिसर में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता का मुख्य विषय मेरी जनजाति-मेरी विरासत निर्धारित किया गया है।

मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर ने किया बस्तर का दौरा

कड़कनाथ पालन और लघु वनोपज की बेहतर मार्केटिंग पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर जनजातीय कल्याण आर हेमंत कुमार ने बस्तर जिले के भ्रमण के दौरान एकलव्य मॉडल स्कूल तोकापाल सहित

- स्कूलों व आईटीआई का निरीक्षण कर कलेक्टोरेट में ली समीक्षा बैठक

प्रयास विद्यालय जगदलपुर का निरीक्षण कर बच्चों के शैक्षणिक एवं समग्र व्यक्तित्व विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और इन बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की पुस्तकें भी उपलब्ध करवाने कहा। वहीं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का निरीक्षण में युवाओं के कौशल विकास प्रशिक्षण संबंधी जानकारी ली और स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होने वाले ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान करने पर बल दिया। उन्होंने कलेक्टोरेट के आस्था कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक के दौरान जिले में अनुसूचित जनजाति और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के अधिकारों, संवैधानिक संरक्षण तथा धरातल पर संचालित विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन स्थिति की जानकारी ली और अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किए जाने कहा। बैठक में सीईओ जिला पंचायत तन्मय खन्ना, डीएफओ दीपेश कपिल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने आजीविका गतिविधियों के लिए कृषि तथा कृषि के आनुषांगिक पशुपालन, उद्यानिकी व मत्स्यपालन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं बताई और इन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने कहा और विशेष तौर पर कड़कनाथ कुक्कुट पालन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। वहीं लघु वनोपज के संग्रहण व मूल्य संवर्धन करने सहित उत्पादों के विपणन के लिए सकारात्मक पहल किए जाने पर बल देते हुए बेहतर मार्केटिंग प्लान बनाने कहा। वनोपज आधारित उत्पाद बनाने के लिए महिला स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने सहित आजीविका गतिविधियों तथा खेती- किसानी व आनुषांगिक गतिविधियों के लिए अधिकाधिक बैंक लिंकेज सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता निरूपित की और सहकारी बैंकों को इस दिशा में निर्धन परिवारों को सशक्त बनाने के हेतु सार्थक प्रयास करने कहा। बैठक में सीईओ जिला पंचायत तन्मय खन्ना ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर आर हेमंत कुमार के द्वारा दिए गए सुझावों एवं साझा किए गए अनुभवों को जिले के सभी विभागों के जरिये समन्वित रूप से क्रियान्वित करने का भरोसा दिलाया और उनके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।



किशोरी बालिकाओं में एनीमिया रोकथाम पर फोकस

बैठक में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर आर हेमंत कुमार ने जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों में लक्षित माताओं एवं बच्चों को समेकित बाल विकास सेवाओं यथा स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पौष्टिक आहार की उपलब्धता सहित किशोरी बालिकाओं में एनीमिया की रोकथाम एवं फूड सप्लीमेंट के जरिये आयरन की उपलब्धता, आश्रम-छात्रावास एवं आवासीय विद्यालयों के बच्चों का रोस्टर के आधार पर स्वास्थ्य परीक्षण करने सहित स्थानीय स्तर पर उपलब्ध फूड सप्लीमेंट के माध्यम से आयरन फोलिक एसिड कंटेनेंट की उपलब्धता के लिए सकारात्मक प्रयास किए जाने पर जोर दिया। साथ ही इस संबंध में समुदाय की जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक अभियान चलाए जाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने भूमि स्वामियों के अभिलेखों का समुचित संधारण एवं उन्हें भूमि संबंधी दस्तावेज प्रदाय करने सहित उनकी समस्याओं का निस्तारण के लिए निरंतर प्रयास किए जाने पर जोर दिया।

पुण्य अभियान से लोगों को मिलता है जीवनदान : कश्यप



हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

महर्षि सदाफल देव आश्रम बोधघाट में 28 अक्टूबर को विहंगम योग संस्थान द्वारा संत प्रवर विज्ञान देव महाराज के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सांसद महेश

- महा-अभियान में 70 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

कश्यप ने रक्तदान महाभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस पुण्य अभियान से लोगों को जीवन दान मिल सकता है इस समाजोपयोगी और पुण्य अभियान हेतु शुभकामनाएं दी, भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में अपनी सहभागिता देने सहमति प्रदान की। विशिष्ट अतिथि श्रीधर मद्दी ने रक्तदान किया और सभी से आग्रह किया कि इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक लोग सहभागी बनें। बलीराम कश्यप चिकित्सा महाविद्यालय एवं महारानी अस्पताल, की विशेषज्ञ टीम ने चिकित्सीय व्यवस्था संभाली । निःशुल्क चिकित्सा शिविर में आयुर्वेदिक, एलोपैथिक, होम्योपैथी तथा नेचुरोपैथी विशेषज्ञों एवं दंत चिकित्सक ने निःशुल्क उपचार कर दवा वितरण किया । जिसका लाभ सैकड़ों लोगों ने लिया। 70 से अधिक रक्त दान दाताओं ने रक्त दान किया। इस अवसर पर रक्तदान दाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया डॉक्टरों का सम्मान पुष्पहार, विहंगम योग साहित्य तथा अंगवस्त्र से किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ.सुभाऊ कश्यप, सिंधी समाज के अध्यक्ष मनीष मूलचंदानी ,वेंकटेश राव जूनियर चैंबर ऑफ कॉमर्स के कोषाध्यक्ष, एच.एल.साहू संरक्षक साहू समाज, तोरण साहू, अजय पॉल, संयोजक तुलसी राम बघेल, सह संयोजक बी एल साहू, सुनील पिल्ले,आश्रम व्यवस्थापक एल बी मौर्य,संभागीय पदाधिकारी रमेश राव, भागीरथी बघेल, हरेश कुमार साहू, दिनेश राव एवं युवावर्ग शामिल हुए।

योग और आयुर्वेद से करें स्वास्थ्य की देखभाल : डॉ. भार्गव



हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

विहंगम योग संस्थान के तत्वाधान में आयोजित रक्तदान शिविर एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ मोहनीश साहू के निर्देशन में आयुर्वेद चिकित्सा शिविर विहंगम योग संस्थान में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए डॉ राकेश भार्गव ने कहा वर्तमान समय में जीवन शैली जन्य बीमारियों जैसे मधुमेह उच्च रक्त चाप, हृदय रोग मोटापा की वृद्धि तेजी से हो रही है। साथ साथ लोगो में मानसिक तनाव बढ़ रहा है ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना जरूरी है यदि कोई व्यक्ति अपनी दिनचर्या में बदलाव कर तीन प्रमुख बातो पर ध्यान दे तो कई रोगों से बचाव किया जा सकता है। हमेशा ताजी और संतुलित आहार का समय पर सेवनकम से कम 6-8 घंटे की निद्रा और ध्यान और योग इनको नियमित रूप से आदत में शामिल करने से स्वथ रहा जा सकता है व्यवहार में देखने में आता है हर व्यक्ति गैस जैसी समस्याओं से पीड़ित बताता है। यदि भोजन के बाद 5 मिनट वज्रासन में बैठना शुरू करे तो गैस जैसी समस्या होगी ही नही इस तरह कई छोटे छोटे आसन है। इस शिविर में 208 व्यक्तियों का जांच कर निशुल्क औषधि वितरण किया गया। इस मौके पर सांसद महेश कश्यप ने आयुर्वेद शिविर का निरीक्षण किया। शिविर में महर्षि सदाफल आश्रम के भूनेश्वर लाल साहू तथा मनीष मूलचंदानी का सहयोग रहा। शिविर उपरांत विहंगम योग संस्थान ने सभी का सम्मान किया शिविर में डॉ राकेश भार्गव डॉ प्रेम कुमारी मिश्रा हीरालाल सोमनाथ पोयाम ने सेवाए दी ।

बस्तर में कमजोर पड़ा चक्रवात अर्नब का असर, मौसम साफ रहने की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवात अर्नब का प्रभाव बस्तर संभाग में कमजोर पड़ने के संकेत मिल रहे हैं।

- धान की फसल पर नुकसान का खतरा बरकरार

गुरुवार को जगदलपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में चक्रवात का व्यापक असर देखने को नहीं मिला। रुक-रुककर हल्की बूंदाबांदी हुई और हवा की रफ्तार भी सामान्य रही। मौसम की मौजूदा स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को मौसम साफ रहने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, मौसम विभाग के पूर्वानुमान और प्रशासनिक सतर्कता के बीच बारिश से संभावित नुकसान पर निगरानी जारी है। बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में कटाई के लिए तैयार खड़ी धान की फसल और कटाई के बाद खुले में सुखाने के लिए रखी गई उपज के भीगने का खतरा बना हुआ है। यदि खेतों में लंबे समय तक नमी बनी रहती है, तो धान की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। वहीं, कटी हुई फसल के लगातार भीगने से दानों के खराब होने और अंकुरित होने की आशंका भी है। ऐसे में किसान मौसम साफ होने और जल्द धूप निकलने की उम्मीद कर रहे हैं। चक्रवात के संभावित प्रभाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने आपदा प्रबंधन की तैयारियां की हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी, राहत एवं बचाव व्यवस्था और आवश्यक सेवाओं को सुचारू बनाए रखने पर जोर दिया गया है। हालांकि, चक्रवात के प्रभाव से बस्तर जिले में हुई संभावित जनहानि और अन्य नुकसान की आधिकारिक स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार है।



एनएमडीसी ने बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को बांटे तिरपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

हाल ही में आये बाढ़ की आपदा से निपटने में एनएमडीसी के चेयरमैन ने हर संभव सहायता का आश्वासन दिया और 4 स्पीड बोट दिए। सांसद महेश कश्यप ने एनएमडीसी की

- नगरनार स्टील प्लांट के प्रमुख ने कहा लोगों को कर रहे हरसंभव मदद

भूमिका का उल्लेख किया जिसमें बाढ़ पीड़ितों को तिरपाल दिया गया। 25 एवं 26 सितंबर को बाढ़ के कारण इंद्रावती नदी के आसपास के गांवों में भारी जलभराव हुआ तथा कई परिवारों के कच्चे मकान क्षतिग्रस्त हो गए। क्षतिग्रस्त मकानों में रहने वाले परिवारों को राहत प्रदान करने हेतु एनएमडीसी 18 गुणा 24 फीट के उच्च गुणवत्ता वाले तिरपाल वितरित किए । एनएमडीसी की इस पहल का 1 हज़ार ग्रामवासियों को लाभ मिलेगा। 28 अक्टूबर को ईडी एवं सांसद द्वारा कृष्पाल गांव जनपद पंचायत बस्तर में 200 तिरपाल वितरित किए गए। 29 अक्टूबर को बड़े चकवा ग्राम पंचायत एवं घाटगनौरा गांव जनपद पंचायत बस्तर में 200 तिरपाल वितरित किए गए। प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने 600 अतिरिक्त तिरपालों का वितरण प्रस्तावित है। प्रमोद कुमार, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं प्रमुख एनएमडीसी स्टील प्लांट नगरनार ने कहा, ₹बस्तर के लोगों ने प्रकृति की इस मार का बहादुरी से सामना किया और वे अब अपने जीवन को संवार रहे हैं। हमें खुशी है कि ग्रामीणों को अपना जीवन फिर से बसाने में भी एनएमडीसी सहभागी हो सका। ज्ञात हो कि बाढ़ के दौरान बाढ़ में फंसे ग्रामीणों को सुरक्षित निकालने के लिए एनएमडीसी ने जिला प्रशासन को 4 जीवन रक्षक स्पीड बोट उपलब्ध कराए थे। इसके अलावा, एनएमडीसी ने बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता हेतु राशन सामग्री और पानी का वितरण किया था।



जनजातीय गौरव दिवस पर राज्य स्तरीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान नवा रायपुर द्वारा जनजातीय गौरव दिवस 2026 के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय जनजातीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश के आदिवासी अंचलों की समृद्ध जीवनशैली, अनूठी परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर को छायाचित्रों के माध्यम से व्यापक मंच प्रदान करना है। संस्थान ने इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय 'जनजाति जीवन, संस्कृति एवं परंपराएँ' निर्धारित किया है।

यह प्रतियोगिता पूर्णतः निःशुल्क है, जिसमें छत्तीसगढ़ के मूल निवासी तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के प्रतिभागी हिस्सा ले सकते हैं। नियमों के अनुसार, प्रस्तुत किए जाने वाले छायाचित्र छत्तीसगढ़ की भौगोलिक सीमा के भीतर ही लिए गए होने चाहिए। प्रत्येक प्रतिभागी अधिकतम पांच मौलिक फोटो भेज सकता है, जिनका न्यूनतम रिजॉल्यूशन 3000×2000 पिक्सेल और फाइल साइज 2 से 10 एमबी के मध्य होना आवश्यक है।

छायाचित्रों की मौलिकता बनाए रखने के लिए केवल सीमित पोस्ट-प्रोसेसिंग जैसे रंग सुधार, एक्सपोजर और क्रॉपिंग की ही छूट दी गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से निर्मित सामग्री अथवा मूल तत्वों में बदलाव को पूरी तरह प्रतिबंधित रखा गया है। इसके साथ ही, प्रत्येक छायाचित्र के साथ 30 से 50 शब्दों का संक्षिप्त परिचय लिखना अनिवार्य होगा।

पक्का शेड मिलते ही 2 से बढ़कर हुए 8 मवेशी, अपनाई जैविक खेती

जगदलपुर। जनपद पंचायत जगदलपुर की ग्राम पंचायत टोड़ापाल में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव ला रही है। टोड़ापाल निवासी पदमा नाग की सफलता की कहानी इसका सशक्त प्रमाण है।

- पदमा नाग की सफलता बनी मिसाल, 1.23 लाख की लागत से बना पशु शेड

पदमा नाग का परिवार वर्षा आधारित पारंपरिक खेती पर निर्भर था।



आजीविका बढ़ाने के लिए उन्होंने पशुपालन शुरू किया, लेकिन पक्का शेड न होने से मवेशी खुले आसमान के नीचे कीचड़ में रहने को मजबूर थे। इससे पशु अक्सर बीमार होते थे और चोरी का डर भी बना रहता था। परेशानी देख पदमा ने ग्राम सभा में पक्के शेड की मांग रखी। ग्राम पंचायत की पहल पर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1.49 लाख रुपए स्वीकृत हुए और 1.23 लाख रुपए की लागत से सुरक्षित शेड का निर्माण पूर्ण हुआ। सुरक्षित स्थान मिलने से मवेशियों की संख्या 2 से बढ़कर 8 हो गई है। दूध का उत्पादन बढ़ने से परिवार की आमदनी सुधरी है और अब वे बकरी व मुर्गी पालन के विस्तार की सोच रहे हैं। गोबर की उपलब्धता बढ़ने से परिवार रासायनिक खाद छोड़कर पूर्णतः जैविक खेती अपनाने लगा है। यह पहल गांव के लिए अनुकरणीय उदाहरण बन चुकी है।



धरमपुरा के बालक-बालिका छात्रावास में हुआ विधिक साक्षरता शिविर

बाल श्रम और लैंगिक अपराधों से बचाव की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा और मौलिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से धरमपुरा स्थित बालक छात्रावास एवं बालिका छात्रावास में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के दिशा-निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्रधान जिला न्यायाधीश गोविन्द नारायण जांगड़े के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती नमिता मिन्ज भास्कर ने बच्चों को कानून की बुनियादी जानकारी देते हुए उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बच्चों को विधि का अर्थ समझाते हुए मौलिक कर्तव्यों की जानकारी भी दी गई। उन्हें दैनिक जीवन में कानून का पालन करने, अनुशासन बनाए रखने और स्वयं के साथ-साथ दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया गया। न्यायाधीश ने बच्चों को जागरूक, सुरक्षित और सजग रहने की सीख देते हुए कानून के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। शिविर में छात्रावासों के वार्डन, बालक-बालिकाएं एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वालंटियर्स उपस्थित रहे।

- छात्रावासों में बच्चों को बताए कानून के अधिकार, सुरक्षा और मौलिक कर्तव्यों के पाठ



अधिकारों की जानकारी होना जरूरी

शिविर में श्रीमती भास्कर ने नालसा (बच्चों के लिए बाल मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं) योजना 2024 की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को लैंगिक अपराधों से बचाव, बाल अपराध, बाल श्रम तथा निःशुल्क विधिक सहायता एवं कानूनी सलाह की प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपने अधिकारों की जानकारी होना जरूरी है, ताकि वे किसी भी प्रकार के शोषण, अपराध या अन्याय की स्थिति में उचित सहायता प्राप्त कर सकें।

खबर संक्षेप

पंच-उप सरपंचों के हक में लड़ेंगे लड़ाई



घाटलोहंगा। जपं बस्तर के अंतर्गत ग्रापं बड़े चकवा के उपसरपंच पूरन सिंह कश्यप को बस्तर जिला उपसरपंच संघ का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जनप्रतिनिधियों, समाज के पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। पूरन सिंह कश्यप ग्राम पंचायत बड़े चकवा में दो बार पंच के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वर्तमान में वे ग्राम पंचायत के उपसरपंच हैं। वे गांव की मूलभूत समस्याओं को शासन-प्रशासन के समक्ष उठाने और उनके निराकरण के लिए लगातार प्रयास करते रहे हैं। बस्तर क्षेत्र के किसानों की समस्याओं, उनके अधिकारों और ग्रामीणों की मांगों को लेकर भी आवाज उठाते रहे हैं। वे सर्व आदिवासी समाज के माध्यम से आदिवासी समाज के मुद्दों एवं अधिकारों के प्रतिनिधित्व में भी सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। पंच-उपसरपंचों के मानदेय और अधिकारों के लिए उठाएंगे आवाज जिला उपाध्यक्ष नियुक्त होने के बाद पूरन सिंह कश्यप ने कहा कि जिले की ग्राम पंचायतों में पंचों एवं उपसरपंचों को आने वाली समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। पंचों के मानदेय में बढ़ोतरी, पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों तथा गांवों की मूलभूत समस्याओं के निराकरण के लिए संगठित प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि सीधे जनता द्वारा चुने जाते हैं और ग्रामीण स्तर पर जनसमस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

27 दिन जेल काटने के बाद न हुआ निलंबन और न मिला वेतन

एसीबी की कार्रवाई के बाद भी बीईओ पर मेहरबानी, 45 दिन से निलंबन का इंतजार

लीलाधर राठी ⏭ सुकमा

सरकारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार के मामलों में त्वरित कार्रवाई और जवाबदेही सुनिश्चित करने के दावे उस समय सवालों के घेरे में आ जाते हैं, जब कार्रवाई की जानकारी संबंधित विभाग तक पहुंचने के बावजूद लंबे समय तक निर्णय नहीं हो पाता। सुकमा जिले के कोंटा के पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी चंद्र कुमार यारदा से जुड़ा मामला भी अब इसी तरह के सवाल खड़े कर रहा है। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) द्वारा 2 सितंबर को ट्रैप कार्रवाई किए जाने के बाद भी उनके निलंबन की कार्रवाई नहीं होने को लेकर शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब मामले की जानकारी शासन के संबंधित विभाग तक पहुंच चुकी थी, तो अब तक निलंबन के संबंध में निर्णय क्यों नहीं लिया गया।

2 सितंबर को एसीबी की कार्रवाई अगले दिन डीईओ ने भेजा पत्र

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोंटा में पदस्थ रहे बीईओ चंद्र कुमार यारदा को एसीबी ने 2 सितंबर 26 को कथित रिश्वतखोरी के मामले में ट्रैप किया था। इस कार्रवाई के अगले दिन 3 सितंबर को जिला शिक्षाधिकारी सुकमा द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) को पत्र भेजे जाने की जानकारी सामने आई। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि घटना की सूचना मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों ने प्रकरण पर क्या कार्रवाई की और निलंबन का प्रस्ताव किस स्तर पर लंबित रहा? भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों में समय पर प्रशासनिक निर्णय लेना आवश्यक है, ताकि विभागीय व्यवस्था की विश्वसनीयता बनी रहे।



जमानत के बाद कार्यालय में दी उपस्थिति

जानकारी के मुताबिक आरोपी बीईओ को 29 सितंबर को जिला एवं सत्र न्यायालय से जमानत मिली थी। बताया गया है कि वे 14 अक्टूबर को जिला कार्यालय में उपस्थित हुए। इसी दिन बीईओ की उपस्थिति के संबंध में डीपीआई को डीईओ द्वारा पत्र भेजे जाने की जानकारी भी दी गई है। यह घटनाक्रम कई सवाल खड़े करता है। जब 2 सितंबर को एसीबी की कार्रवाई हुई, 3 सितंबर को संचालनालय को पत्र भेजा गया और 14 अक्टूबर को कार्यालय में उपस्थिति की सूचना भी भेजी गई, तो संबंधित प्रकरण में निलंबन या अन्य विभागीय कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं हुई? क्या संचालनालय स्तर पर फाइल लंबित रही, क्या अतिरिक्त दस्तावेजों की आवश्यकता थी या सक्षम प्राधिकारी के स्तर पर निर्णय नहीं हो पाया, इन सवालों का जवाब संबंधित विभाग को देना चाहिए।

45 दिनों तक निर्णय नहीं, जवाबदेही किसकी

मामले में यह भी कहा जा रहा है कि किसी सरकारी कर्मचारी को 48 घंटे से अधिक न्यायिक हिरासत में रखे जाने पर लागू सेवा नियमों के तहत निलंबन का प्रावधान प्रभावी हो सकता है। हालांकि, इस प्रकरण में हिरासत की वास्तविक अवधि, लागू सेवा नियमों और निलंबन संबंधी आदेशों की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है। केवल जमानत मिलने से किसी कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई स्वतः समाप्त नहीं हो जाती। एसीबी की कार्रवाई के बाद लगभग 45 दिनों तक निलंबन की स्थिति स्पष्ट नहीं होना प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल खड़ा करता है। यदि संचालनालय को समय पर सूचना मिल चुकी थी, तो कार्रवाई में देरी की वजह सार्वजनिक की जानी चाहिए।

शासन स्तर पर चूक या प्रक्रियागत देरी

यह मामला केवल एक अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि भ्रष्टाचार के आरोपों पर विभागीय प्रतिक्रिया की गति और पारदर्शिता से भी जुड़ा है। लोक शिक्षण संचालनालय और स्कूल शिक्षा विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि प्रकरण में अब तक क्या कदम उठाए गए हैं, निलंबन संबंधी निर्णय किस स्तर पर लंबित है और देरी के लिए जिम्मेदारी किसकी है। फिलहाल, उपलब्ध जानकारी के आधार पर निलंबन नहीं होने की वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

डीपीआई को पत्र भेजा



इस मामले में अब तक निलंबन नहीं होने की पुष्टि करते हुए जिला शिक्षाधिकारी जीआर मंडावी ने कहा कि हमारी ओर से नियमानुसार शासन को कार्रवाई हेतु पत्र भेजा गया था, चूंकि अग्रिम कार्रवाई शासन को ही करनी थी इसलिए इस मामली ज्यादा कुछ नहीं कह पाएंगे।

न निलंबन न वेतन

कोंटा के पूर्व बीईओ के मामले में सबसे अहम बात यह है कि एसीबी के द्वारा ट्रैप किए जाने के प्रशासनिक स्तर पर कोई कार्रवाई का ना होना कई तरह के सवाल खड़े करता है। लगभग 27 दिन तक सलाखों के पीछे रहने वाले पूर्व बीईओ पर ना निलंबन की कार्रवाई हुई और ना ही उसे वेतन दिया गया। इधर पूर्व बीईओ ने डीईओ कार्यालय में अपनी उपस्थिति देकर पूरे मामले को चर्चा में ला दिया है।

सावित्रीबाई फुले महिला शिक्षक महासंघ की जिला इकाई का गठन



गीदम। सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला शिक्षक महासंघ की जिला इकाई दंतेवाड़ा का गठन किया गया। इस दौरान संगठन के प्रदेश पदाधिकारियों की उपस्थिति में जिला इकाई के पदाधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। महासंघ की राज्य इकाई छत्तीसगढ़ के प्रदेश संयोजक लोकेश कुमार वर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष भारती वर्मा की उपस्थिति में जिला इकाई के गठन की प्रक्रिया पूरी की गई। बैठक में महिला शिक्षकों की भूमिका, संगठन के विस्तार तथा शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। जिला इकाई में व्याख्याता सुनीता गोस्वामी को जिला अध्यक्ष तथा मंजू राठौर को महासचिव का दायित्व सौंपा गया। इसके साथ ही शिल्पा सिंह चौहान को सह सचिव एवं राजकुमारी कंवर व सविता हपका को संगठन सचिव का दायित्व दिया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने संगठन को मजबूत बनाने और महिला शिक्षकों को एक साझा मंच प्रदान करने पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव सुमन जार्ज, संभागीय अध्यक्ष सईदा खान, गायत्री पटेल सहित प्रदीप गर्ग, जितेन्द्र चौहान, नितिन विश्वकर्मा, ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

दलपत सागर रोड पर मलबा डालने वालों पर लगेगा 10 हजार जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नगर पालिका निगम में गुरुवार को महापौर संजय पांडे एवं निगम अध्यक्ष खेम सिंह देवांगन की उपस्थिति में एमआईसी की बैठक हुई। बैठक में शहर के विकास, स्वच्छता, सड़क चौड़ीकरण और नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में दलपत सागर रोड पर मलबा डालकर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। ऐसे लोगों पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, मलबा डालने वालों की सूचना देने वाले नागरिकों को निगम द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य शहर की स्वच्छता बनाए रखना और सार्वजनिक स्थानों पर मलबा डालने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना है। बैठक में नगरोत्थान योजना के अंतर्गत शहर के विभिन्न मार्गों के चौड़ीकरण के प्रस्तावों पर विचार किया गया। इनमें लाल चर्च से नगर निगम कार्यालय एवं बस स्टैंड रोड तक, नयामुंडा रोड से साकेत कॉलोनी तक, डीजे कोर्ट से चांदनी चौक होते हुए सिटी ग्राउंड तक तथा छत्रपति शिवाजी वार्ड में पुराने पंचायत कार्यालय से डॉक्टर पाढ़ी हाउस तक सड़क चौड़ीकरण के प्रस्ताव शामिल हैं। इसके अलावा माता गुड़ी से एमपीएम हॉस्पिटल तक सड़क चौड़ीकरण के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। इन कार्यों के लिए शासन से स्वीकृति प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में विचार-विमर्श किया गया।



प्रतिमा स्थापना और वार्डों में विकास कार्यों को लेकर चर्चा

बैठक में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा स्थापना एवं सौंदर्यीकरण कार्य के प्रस्ताव को शासन को भेजने के संबंध में विचार किया गया। इसके साथ ही शहर के समस्त वार्डों में नाली, सड़क, पुलिया, सामुदायिक भवन सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर शासन को प्रेषित करने पर भी चर्चा एवं निर्णय लिया गया।नगर निगम की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से 15वें वित्त आयोग मद के अंतर्गत पांच मिनी टिप्पर वाहनों की खरीदी के प्रस्ताव पर विचार किया गया। बैठक में राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना एवं मुख्यमंत्री पेंशन योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदन पत्रों की स्वीकृति से संबंधित विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

ये रहे उपस्थित

एमआईसी की बैठक में सदस्य निर्मल पानीग्राही, लक्ष्मण झा, सुरेश गुप्ता, राणा घोष, श्वेता बघेल, त्रिवेणी रंधारी, कलावती कसेर, योगेंद्र पांडे, संग्राम सिंह राणा एवं संजय विश्वकर्मा सहित निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा तथा नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

क्षत्रिय महासभा के युवाओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

कलेक्टर एवं अध्यक्ष रेडक्रास सोसाइटी आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को साकार करते हुए क्षत्रिय महासभा समाज सेवी संस्था के युवाओं ने महारानी अस्पताल, में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर समाज के युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। रक्तदान के इस पुनीत कार्य में युवाओं की सहभागिता की सराहना करते हुए क्षत्रिय महासभा के सचिव कैलाश सिंह चौहान एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष अलेक्जेंडर चेरियन द्वारा रक्तदानवीरो को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर चौहान ने कहा कि रक्तदान महादान है और किसी जरूरतमंद को रक्त उपलब्ध कराना मानवता की सच्ची सेवा है। रक्त की आवश्यकता किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है। ऐसे में युवाओं को आगे आकर नियमित रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलानी चाहिए, ताकि समय पर रक्त उपलब्ध होने से जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाया जा सके। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, ब्लड बैंक उपसमिति के अध्यक्ष अविनाश सिंह गौतम ने क्षत्रिय महासभा के युवाओं की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को रक्तदान जैसे सेवा कार्यों में आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस सोसाइटी मानव सेवा, जनजागरूकता और जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में महारानी अस्पताल ब्लड बैंक प्रभारी वीरेंद्र ठाकुर,रेड क्रॉस सोसाइटी ब्लड बैंक उपसमिति के अध्यक्ष अविनाश सिंह गौतम, उपाध्यक्ष संतोष भदौरिया, लोकेश ठाकुर,प्रभात सिंह चौहान, अमित सेंगर, निहांसु सिंह, राजपाल सिंह,मयंक सिंह बैस, भवानी सिंह चौहान,ऋषभ चौहान,आयुष सिंह,शुभम सिंह राठौड़, रोमा और रीटू उपस्थित थे। इस आयोजन ने समाज में सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदना का संदेश दिया। रक्तदान करने वाले सभी युवाओं का यह प्रयास समाज के अन्य लोगों को भी मानव सेवा के लिए प्रेरित करेगा। कार्यक्रम का सफल संयोजन लोकेश ठाकुर एवं प्रभात चौहान द्वारा किया गया। दोनों ने रक्तदान शिविर के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए युवाओं को इस पुनीत सेवा कार्य से जोड़ने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय योगदान दिया।



- रेडक्रॉस ने प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

करवाचौथ पर सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत, चंद्र दर्शन के बाद पारण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और दांपत्य जीवन की खुशहाली की कामना के साथ गुरुवार को करवाचौथ का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने परंपरानुसार निर्जला व्रत रखकर पति की दीर्घायु की कामना की। दिनभर उपवास रखने के बाद महिलाओं ने शाम को विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और करवाचौथ की कथा सुनकर परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। करवाचौथ को लेकर महिलाओं में सुबह से ही उत्साह देखने को मिला। पर्व के अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों के साथ सोलह श्रृंगार किया। पूजा के लिए , दीपक, मिठाई और अन्य पूजन सामग्री की व्यवस्था की गई। करवाचौथ के व्रत में चंद्रमा के दर्शन और पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता के अनुसार, महिलाएं चंद्रमा को अर्घ्य देकर पति की लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली की कामना करती हैं। इसके बाद पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत का पालन करने की परंपरा है। पूरे दिन निर्जला व्रत रखने वाली महिलाएं चंद्र दर्शन का इंतजार करती रहीं।

- पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना के साथ महिलाओं ने की पूजा-अर्चना



पारंपरिक हस्तशिल्प के संरक्षण की दिशा में हुए कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के अंतर्गत पीएमश्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय , कटेकल्याण में 26 से 28 अक्टूबर तक 3 दिवसीय क्राफ्ट डेमोंस्ट्रेशन-कम-अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक हस्तशिल्प कलाओं के संरक्षण, संवर्धन और विद्यार्थियों में भारतीय कला-सांस्कृतिक विरासत के प्रति रुचि व रचनात्मक कौशल विकसित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ 26 अक्टूबर को मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। 3 दिनों तक हस्तशिल्प कारीगरों ने अपनी पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया और विद्यार्थियों को विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए कारीगरों से हस्तकला की बारीकियां सीखीं और अपने हाथों से आकर्षक वस्तुओं का निर्माण किया। इस दौरान उन्होंने समझा कि हस्तकला केवल कला नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और पीढ़ियों के ज्ञान की धरोहर है।अंतिम दिन विद्यालय के उप प्राचार्य टी.एल. साहू ने हस्तशिल्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया। विद्यार्थियों की सृजनशीलता और कारीगरों के प्रशिक्षण की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी कलाओं से विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, धैर्य, एकाग्रता और श्रम के प्रति सम्मान विकसित होता है। इस अवसर पर कला शिक्षिका शालीन परिहार, शिक्षक डी.आर. रावटे, शिवकुमार कंवर सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए सीखने और रचनात्मक क्षमता निखारने का महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत यह कार्यक्रम भारतीय हस्तशिल्प विरासत के संरक्षण और युवा पीढ़ी में कला-संस्कृति के प्रति जागरूकता विकसित करने की दिशा में एक सार्थक पहल रही।





वैज्ञानिकों ने किसानों को सिखाए प्राकृतिक कीट प्रबंधन के गुर



बीजापुर। जिले में फसलों की सुरक्षा और किसानों की लागत घटाने के उद्देश्य से संचालित राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाव अभियान' के अंतर्गत आज ब्लॉक भैरमगढ़ के ग्राम दर्रापाल तथा ब्लॉक बीजापुर के ग्राम बोरजे में विशेष प्रक्षेत्र कार्यक्रम आयोजित किए गए। 22 अक्टूबर से 30 नवंबर तक चलने वाले इस सघन अभियान का मुख्य ध्येय स्वस्थ मिट्टी, सशक्त किसान, समृद्ध भारत तथा "मिट्टी बचाओ, खेती बचाओ, किसान बचाओ" की संकल्पना को धरातल पर उतारना है। कृषि विज्ञान केंद्र बीजापुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शमशेर आलम एवं डॉ. राजकमल पटेल के नेतृत्व में वैज्ञानिकों के दल ने दर्रापाल और भोर्जे के कृषक प्रक्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया।

रोगों के उपचार और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों की मिली जानकारी

बाल चिकित्सा के नए अनुभवों से समृद्ध हुए डॉ. राजेश ध्रुव

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

जिला अस्पताल दंतेवाड़ा के वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश ध्रुव दंतेवाड़ा जिले से कोरबा में आयोजित शिशु रोग विशेषज्ञों के वार्षिक अधिवेशन में शामिल हुए। इस 2 दिवसीय अधिवेशन में छत्तीसगढ़ सहित देश-विदेश से कई वरिष्ठ चिकित्सक और शिशु रोग विशेषज्ञ पहुंचे। अधिवेशन में बच्चों से संबंधित गंभीर बीमारियों के उपचार, आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों और शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे नए बदलावों की महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। अधिवेशन के दौरान वरिष्ठ चिकित्सकों ने अपने अनुभव साझा किए और बच्चों में होने वाली विभिन्न बीमारियों की पहचान, उनके बेहतर उपचार तथा गंभीर परिस्थितियों में मरीजों की देखभाल से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस दौरान शिशु रोग के क्षेत्र में उपलब्ध नई जानकारियों और उपचार की आधुनिक पद्धतियों को समझने का अवसर मिला। दंतेवाड़ा जिले से अधिवेशन में शामिल हुए डॉ. ध्रुव ने बताया कि इस वार्षिक अधिवेशन में भाग लेकर उन्हें काफी कुछ नया सीखने को मिला। 2 दिवसीय कार्यक्रम में बच्चों की गंभीर बीमारियों से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुई। वरिष्ठ विशेषज्ञों के अनुभवों को जानने और चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे नए बदलावों को समझने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि अधिवेशन में मिली जानकारी का लाभ दंतेवाड़ा जिले के बच्चों के उपचार में मिलेगा और बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।



विशेषज्ञों का मिला अनुभव

उल्लेखनीय है कि डॉ. ध्रुव कई वर्षों से दंतेवाड़ा जिले में रहकर बच्चों का उपचार कर रहे हैं। जिला अस्पताल में वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं देते हुए वे बच्चों के स्वास्थ्य और उपचार से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जिले में बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए शिशु रोग के क्षेत्र में नई जानकारियों और आधुनिक उपचार पद्धतियों से अवगत होना महत्वपूर्ण है। कोरबा में आयोजित इस वार्षिक अधिवेशन में शामिल होकर डॉ. ध्रुव ने शिशु रोग से संबंधित नई जानकारियां और विशेषज्ञों के अनुभव प्राप्त किए। इससे जिले में बच्चों के उपचार को और बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। हॉल ही में एक कार्यक्रम डॉ. राजेश ध्रुव को बेहतर कार्य के लिए स्वास्थ्य मंत्री द्वारा

